MARJ-02

June - Examination 2018

M.A.(Previous) Rajasthani Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - MARJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ पैपर अ, ब अर स तीन खण्डो में बटियोड़ो है। हरेक खण्ड रै साम्हीं दियोड़ो निरदेस मुजब सवालां रा जवाब लिखणा है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : साव छोटा सवाल । सगळां रा पडूत्तर दैवणां जरूरी है। सबदा री सीव । सबद 1 वाक्य अर 30 सबदां बेली नी हुवणी चाईजै।

1) (i) राजस्थानी रासौ काव्य – परम्परा की कोई दोय रचनावां रा नाम बताऔ।

(ii) 'राव जैतसी रो छंद' रचना रै रचनाकार रौ नाम बताऔ।

(iii) 'आयो अंगरेज मुलक रै ऊपर' कविता री इण ओळियां रौ रचनाकार रौ नाम लिखौ।

(iv) प्रगतीसील काव्यधारा रा किणी दोय रचनाकारां रा नाम बताऔ।

(v) 'मन रा मीत कान्हा रे, जग में जे मण्डग्यौं घमसाण' कविता री अे ओळिया किण पौथी सूं लियोड़ी है।

(vi) जनकवि रौ अरथ कांई हुवै।

(vii) परमवीर अर दुरगादास नाम री काव्य – रचना रै रचनाकार रौ नाम बताऔ।

(viii) कन्हैयालाल सेठिया री किणी दोय काव्य – रचनावां रा नाम बताऔ।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : खण्ड मांय सूं किणी चार सवाला रा जवाब दैवणां है। सबद सीमा 200 सबद रै लगैटगै।

2) प्राचीन राजस्थानी काव्य–परम्परा माथै टिप्पणी लिखौ।

3) मध्यकालीन राजस्थानी संत–काव्य री विसेसतावां बताऔ।

4) आज रै समैं री नूवी कविता माथै आपरा विचार मांडौ।

5) कवि चन्द्रसिंह रै काव्य री काव्यगत विसेसतावां बताऔ।

6) जनकवि गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' रै काव्य मांय सामाजिक सरोकार नै उजागर करो।

7) सत्यप्रकाश जोशी रै जीवण – चरित नै उजागर करो।

8) डॉ. नारायणसिंह भाटी लूंठा'' सबद – सिल्पी ''कहिजै। उदाहरण दैय' र कथन रौ खुलासौ करावौ।

9) कवि रेंवतदान चारण किण काव्यधारा रा कवि रैया है। विस्तार सूं खूलासौ करौ।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड मांय सू किणी दो सवालां रा जवाब दैवणां है सबद सीमा : 500 सबद रै लगैटगै।

10) आधुनिक राजस्थानी कविता री प्रमुख प्रवृत्तियां रो विस्तार सूं खूलासौ करौ।

11) 'सैनाणी' कविता राजस्थानी संस्कृति रो बेजोड़ प्रमाण मान्यौ जावै। कथन रो पूरौ खुलासौ करौ।

12) जनकवि 'उस्ताद' रै काव्य रौ भाव – सौन्दर्य नै उदाहरण दैयार स्पष्ट करौ।

13) आधुनिक राजस्थानी कविता री दसा अर दिसा माथै आपरै विचारां रो खुलासौ करो।